कक्षा 3

संलग्नक ।
एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा सुझाई सीखने सिखाने की प्रक्रिया
सभी शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत , सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाएगा ताकि उन्हें
अपनी भाषा में अपनी बात कहने ,बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों ।
हिंदी में सुने गीत बात, कविता, खेल गीत, कहानी आदि को अपने तरीक़े और अपनी भाषा में कहने सुनने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों
बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों । इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और उनका शब्द भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे ।
'पढ़ने का कोना 'में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की और विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषा/ऐं, हिंदी आदि) में रोचक सामग्री, जैसे - बाल साहित्य बाल पत्रिकाएँ , पोस्टर, ऑडीओ-विडीओ सामग्री उपलब्ध हो ।
तरह तरह की कहानियों कविताओं पोस्टर आदि को चित्रों और संदर्भ के आधार पर समझने समझाने के अवसर उपलब्ध हों
विभिन्न उदयेशों को ध्यान में रखते हुए पड़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे किसी कहानी में घटी किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, किसी घटना के होने के लिए तर्क दे पाना, पात्र के संबंध में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, किसी घटना के होने के लिए तर्क दे पाना, पात्र के सम्बन्ध में अपनी पसंद या नापसंद के बारे में बात पाना आदि ।
सुनी, देखी, बातों को अपने तरीक़े से काग़ज़ पर उतरने के अवसर हों । ये चित्र भी हो सकते हैं, शब्द भी और वाक्य भी
अपनी भाषा गढ़ने (नए शब्द/वाक्य//अभिव्यक्तियाँ बनाने) और उनका इस्तेमाल करने के अवसर हों ।
संदर्भ और उद्देश्य के अनुसार उपयुक्त शब्दों और वाक्यों का चयन करने, उनकी संरचना करने के अवसर उपलब्ध हों
अपना परिवार, विद्यालय, मोहल्ला, खेल का मैदान, गाँव की चौपाल जैसे विषयों पर अथवा स्वयं विषय का चुनाव कर अनुभवों को लेकर एक दूसरे से बाँटने के अवसर हों

एक दूसरे की लिखी हुई रचनाओं को सुनने, पढ़ने और उन पर अपनी राय देने, उनमें अपनी बात को जोड़ने, बढ़ाने और अलग अलग ढंग से लिखने के अवसर हों

संलग्नक II
मन - मान चित्रण (मैपिंग) कक्षा 3 हिन्दी विषय सी. बी. एस. सी. द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल के साथ
कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं
कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही प्रकार से सुनते हैं ।
सुनी हुई रचनाओं की विषय वस्तु घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, राय बताते हैं/अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं ।
आस पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनुभवों के बारे में बताते,बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं।
कहानी,कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी /बात जोड़ते हैं ।
तरह -तरह की रचनाओं/सामग्री (अख़बार,बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं ।
अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं।
अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं ।
तरह-तरह की कहानियों, कविताओं/रचनाओं की भाषा की बारीकियों (जैसे -शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं।
अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं।
स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों आड़ी -तिरछी रेखाओं (कीरम - काँटे), अक्षर आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व-वर्तनी का उपयोग और स्व-नियंत्रण लेखन (कनवेंशनल राइटिंग) करते हैं ।
विभिन्न उद्देश्यों के लिये लिखते हुए अपने लेखन में विराम चिन्हों, जैसे पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिन्ह का सही इस्तेमाल करते हैं ।

अलग अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अख़बार, बाल पत्रिका, जैसे पूर्ण विराम, अल्प विराम प्रश्नवाचक चिन्ह का सचेत इस्तेमाल करते हैं ।

संलग्नक III			
मन-मंचित्रण(मैपिंग) कक्षा 3 हिन्दी विषय सी. बी. एस. ई. द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल			
नोट - सम्पूर्ण पाठ्यक्रम सीखने के प्रतिफल			
पाठ -1	**विषय कवर किए गए**	**शिक्षण के लक्ष्य**	**सीखने के प्रतिफल**
पाठ 1 कुक्कू	श्रवण /वाचन कौशल का विकास	कविता सुनने के बाद विद्यार्थी कविता के तीनों काव्यांशों से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ होंगे जैसे कुक्कू को किन-किन नामों से बुलाया जाता था ? दूसरे काव्यांश में कुक्कू को क्या पसंद नहीं था ? आदि	कक्षा में चर्चा की जाएगी कि जब अलग-अलग नाम से पुकारा जाता है तो बच्चों को कैसा लगता है ? झगड़ालू, मोटू, गोलू जैसे नाम से पुकारने से क्या किसी को दुःख पहुँचता है ? जिससे वाचन कौशल का विकास होगा | पूरा पाठ धीरजपूर्वक सुन पायेंगे १० से १५ शब्दों में प्रश्नों का उत्तर कह पायेंगे	कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं ।
	पठन कौशल का विकास	विद्यार्थी कम से कम 20 शब्द पढ़कर कविता के पात्रों के विषय में मे बता सकेगें ।	

		कविता को लयात्मक तरीक़े से छात्रों से पढ़कर कविता के मूल भाव को विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से जोड़ सकेगें । कविता की पंक्तियों का क्रम बदलकर उन्हें क्रम में पढ़ सकेगें ।	
	लेखन कौशल का विकास	क्या आप कक्कु जैसा बच्चा बनना चाहते हो ? यदि हाँ /नहीं तो क्यों ? जैसे प्रश्न का उत्तर अध्यापिका की सहायता के माध्यम से 10 से 15 शब्दों में लिख पायेंगे । कविता की प्रत्येक पंक्तियों में से एक-एक शब्द हटा दिया जाएगा। बच्चे हटे हुए शब्द को लिख सकेंगे ।	
	शब्द विकास कौशल	पांच छह नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना है ।जैसे - ठिठोली ,तनिक ,मिसरी ,भक्कु,झक्कु आदि ऊ मात्रा वाले पाँच शब्दों को रेखांकित कर उनका श्रुतलेख द्वारा मूल्यांकन करना ।	

	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	कविता की कुछ पंक्तियाँ सुनकर, दिए गए चित्र में से चीज़ों की पहचान करवाकर तथा सीखे गए नए शब्दों के श्रुतलेख द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा ।	
	नैतिक मूल्य	अनुशासन, प्रेम ,संवेदना जैसे नैतिक भाव से अवगत करवाना । प्रेम वाले नाम और चिढ़ाने वाले नाम में क्या फ़र्क है और आप कैसा महसूस करते है इस प्रकार के नाम के साथ ।	

पाठ -2	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ २ - शेखीबाज मक्खी	श्रवण /वाचन कौशल का विकास	सारांश ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास करना ।संपूर्ण पाठ को तीन चरण में बाँटकर -(आरंभ ,मध्य,अंत) कहानी का लघु नाट्य रूप छात्रों से प्रस्तुत करवाना । पूरा पाठ धीरजपूर्वक सुन पायेंगे १० से १५ शब्दों में प्रश्नों का उत्तर कह पायेंगे	कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पटी साथ सुनते हैं । कहानी,कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी /बात जोड़ते हैं ।

	पठन कौशल का विकास	पाठ को पढ़वाकर विद्यार्थियों को जानवरों की शरारतों के बारे मे बताना ।बच्चे पाठ में आये कोई २० शब्द पढ़ सकेंगें	
	लेखन कौशल का विकास	विद्यार्थियों द्वारा प्रिय जानवरों पर चर्चा करके उनके प्रिय जानवर पर चार से पाँच वाक्यों में लेख लिखवाकर लेखन कौशल को बढाना ।कुल शब्द (१० -१५)	
	शब्द विकास कौशल	नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना | पाठ में प्रयुक्त अनुस्वार और अनुनासिक जैसे शब्दों में अंतर कर शब्द विकास करेंगे ।चार अथवा पांच नये शब्दों का अर्थ जान पायेंगे	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	पाठ में आए चित्रों का प्रयोग चित्र वर्णन के रूप में किया जाएगा तथा सीखे गए नए शब्दों के श्रुतलेख द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा |	
	नैतिक मूल्य	सामान्य उद्देश्य वाली अन्य नवीन कहानी को सुनकर घमंड जैसे भाव से परिचित करवाते हुए प्रेम और एकता के भाव के साथ जोड़कर नैतिक भाव का विकास करना ।	

पाठ -3	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 3 चॉद वाली अम्मा	श्रवण /वाचन कौशल का विकास	सारांश ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास करना । पूरा पाठ धीरजपूर्वक सुन पायेंगे १० से १५ शब्दों में प्रश्नों का उत्तर कह पायेंगे	आस पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनुभवों के बारे में बताते,बातचीत करते हैं|
	पठन कौशल का विकास	शिक्षक की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे , जिससे पठन कौशल का विकास होगा | बूढ़ी अम्मा के साथ चॉद की शरारतों के बारे में बताना । बच्चे पाठ में आये कोई २० शब्द पढ़ सकेंगें	
	लेखन कौशल का विकास	जब बूढ़ी अम्मा उड़ी जा रही थी तो उन्होंने आसमान को हर तरह से मनाने की कोशिश की ।बताओ ,उन्होंने क्या -क्या कहा होगा ? १-घबराकर २- गुस्से से ३- गिड़गिड़ाकर ४-तरकीब सूझने पर	

		इस प्रकार लेखन कौशल का विकास किया जाएगा । चार से पाँच वाक्यों में लेख लिखवाकर लेखन कौशल को बढाना ।कुल शब्द (१५-२५)	
	शब्द विकास कौशल	नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना जैसे -रस्साकशी ,सूझी , हिस्सा आदि ।चार अथवा पांच नये शब्दों का अर्थ जान पायेंगे	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	शब्दों के अर्थ का उचित मिलान द्वारा ,किसने किससे कहा जैसे प्रश्नों द्वारा ,प्रत्येक पात्र के बारे में विचार व्यक्त करवाने द्वारा अधिग्रहण क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा ।	
	नैतिक मूल्य	स्वच्छता और कार्य स्वयं करने जैसे नैतिक भाव पर चर्चा करते हुए अध्यापिका भाव से परिचित करवाएगी ।	

पाठ -4	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 4-मन करता है	श्रवण /वाचन कौशल का विकास	कविता सुनने के बाद सभी विधार्थी कविता के काव्यांशों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ होंगें जैसे-कवि का क्या क्या करने का मन करता है आदि | कक्षा में चर्चा की जाएगी कि सूरज ,चंदा ,बाबा ,पापा ,तितली बनकर आप क्या अलग करना चाहोगे |इस प्रकार कक्षा चर्चा करते हुए विधार्थियों में वाचन कौशल का विकास होगा |कविता के मूल भाव को समझकर विधार्थी अपने विचार रख सकेंगे । पूरा पाठ धीरजपूर्वक सुन पायेंगे १० से १५ शब्दों में प्रश्नों का उत्तर कह पायेंगे	तरह -तरह की रचनाओं/सामग्री (अख़बार,बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं ।
	पठन कौशल का विकास	छात्रों द्वारा कविता का क्रमानुसार उचित लय और ताल का ध्यान रखते हुए शुद्ध उच्चारण द्वारा पठन करते हुए अर्थ ग्रहण किया जाएगा। बच्चे पाठ में आये कोई २५ -३० नये शब्द पढ़ सकेंगें	
	लेखन कौशल का विकास	आसान शब्दों एवं अक्षरों को लिखवाकर तथा विद्यार्थियों द्वारा उनके बचपन के किस्सों पर चर्चा	

		करके की बचपन में उनका क्या मन करता है ? इस प्रकार उनका लेखन कौशल बढ़ाया जाएगा । चार से पाँच वाक्यों में लेख लिखवाकर लेखन कौशल को बढाना ।कुल शब्द (१५-२५)	
	शब्द विकास कौशल	नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना ।अनुनासिक शब्दों को रेखांकित किया जाएगा ।जैसे - दिखाऊँ ,मूँछ ,लगाऊँ आदि चार अथवा पांच नये शब्दों का अर्थ जान पायेंगे	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	रिक्त स्थान की पूर्ति द्वारा अधिगम क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा ।जैसे -मन करता है ------ बनकर मीठे स्वर में गाना गाऊँ । श्रुतलेख द्वारा वर्तनी शुद्धता का मूल्यांकन किया जाएगा ।	
	नैतिक मूल्य	लालच और इच्छा में क्या अंतर होता है इस विषय पर चर्चा की जाएगी और नैतिक गुण से अवगत करवाया जाएगा ।	

		प्राकृतिक और कृत्रिम से जुड़ी इच्छाओं में अंतर बताया जाएगा ।	

पाठ -5	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 5-बहादुर बित्तो	श्रवण /वाचन कौशल का विकास	विषय पर चर्चा करते हुए शिक्षिका कहानी पढाते हुए समझाएँगी व कहानी में आए व्याकरणिक शब्दों को भी समझाएँगी जिससे बच्चों में श्रवण कौशल का विकास हो सके । पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, स्मार्ट बोर्ड । दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना। पूरा पाठ धीरजपूर्वक सुन पायेंगे १० से १५ शब्दों में प्रश्नों का उत्तर कह पायेंगे	अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं ।
	पठन कौशल का विकास	समूह में बैठे विद्यार्थी निर्धारित अंक का पाठन करेंगे। कठिन व नए शब्दों क अर्थ समझाते हुए पाठ का वाचन करवाना।बच्चे पाठ में आये कोई २५ -३० नये शब्द पढ़ सकेंगें	

	लेखन कौशल का विकास	पाठ का नाम बहादुर बित्तों क्यों रखा गया है अगर बित्तों बहादुर नहीं होती तो कहानी का नया अंत कैसा होता ?इन प्रश्नों का उत्तर १५ से २० शब्दों में लिख पायेगें।	
	शब्द विकास कौशल	नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना। ए ,ऐ की मात्रा वाले शब्दों की शुद्ध वर्तनी की और ध्यान दिया जाएगा ।चार अथवा पांच नये शब्दों का अर्थ जान पायेंगे	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	लघु प्रश्नों का निर्माण छात्र अपनी समझ से स्वयं करेंगे और एक पंक्ति में स्वयं निर्मित प्रश्नों के उत्तर अपने सहपाठी से पूछेंगे ।इस प्रकार सहपाठी भी प्रश्नों का निर्माण करेगा।प्रश्न निर्माण गतिविधि द्वारा कक्षा के अधिगम स्तर का मूल्यांकन किया जाएगा ।	
	नैतिक मूल्य	बहादुरी के छोटे -छोटे क़िस्सों पर छात्रों से चर्चा की जाएगी। बहादुरी दिखाकर लोगों की मदद की जा सकती है इस प्रकार नैतिकता का संचार किया जाएगा ।	

पाठ -6	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 6 हमसे सब कहते है ।	श्रवण /वाचन कौशल का विकास	पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी.टी, स्मार्टबोर्ड, माँ पर आधारित अन्य कविता।दृश्य-श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना। ओजस्विता पूर्ण कविता वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा।वात्सल्य जीवन की कठिनाइयों को अभिव्यक्त कर सकेंगे। पूरा पाठ धीरजपूर्वक सुन पायेंगे १० से १५ शब्दों में प्रश्नों का उत्तर कह पायेंगे	अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं।
	पठन कौशल का विकास	कविता का गायन करवाएँगे जिससे उचित लय -ताल, यति-गति का विकास होगा और आरोह-अवरोह क्षमता में वृद्धि होगी। शब्दार्थों का ज्ञान होगा। बच्चे पाठ में आये कोई २५ -३० नये शब्द पढ़ सकेंगें	
	लेखन कौशल का विकास	वात्सल्य जीवन में आपको किस प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है ?कोई दो चुनौती अपने शब्दों में लिखिए ।	

		इस प्रकार के प्रश्नों द्वारा छात्र अभिव्यक्ति पर बल दिया जाएगा तथा लेखन कौशल को बढ़ाया जाएगा । छात्र प्रश्नों का उत्तर १५ से २० शब्दों में लिख पायेगें।	
	शब्द विकास कौशल	ओ और औ की मात्रा से संबंधित कठिन व नवीन शब्दावली से जुड़ी वर्तनी की पुनरावृत्ति करवाना । चार अथवा पांच नये शब्दों का अर्थ जान पायेंगे	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	लघु प्रश्नोत्तर ,रिक्त स्थान की पूर्ति ,एवं कविता की पंक्तियों को क्रमानुसार लगवाते हुए विषय का सतत मूल्यांकन किया जाएगा ।	
	नैतिक मूल्य	प्रकृति से हमें प्रेम करना चाहिए ,बड़ों का आदर करना चाहिए ,जीवन में ख़ुशियाँ बाँटनी चाहिए । इस प्रकार के प्रश्नों पर भाव अभिव्यक्ति करवाते हुए नैतिक मूल्य से जोड़ा जाएगा ।	

पाठ -7	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 7	श्रवण कौशल का विकास	शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए पाठ को विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे और पूछे गए प्रश्नों के १० से १५ शब्दों में	तरह-तरह की कहानियों, कविताओं/रचनाओं की भाषा की

टिपटिपवा		उत्तर देंगे	जैसे - कहानी में किस चीज़ की बात की गई है? जिससे श्रवण और वाचन कौशल दोनों का विकास होगा	 पूरा पाठ धीरजपूर्वक सुन पायेंगे	बारीकियों (जैसे -शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं।
	पठन कौशल का विकास	बच्चे पाठ में आये कोई २५ -३० नये शब्द पढ़ सकेंगें	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र प्रश्नों का उत्तर १५ से २० अपने शब्दों में लिख पायेगें।	
	शब्द विकास कौशल	नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ बताये जाएँगे ,पाठ के अंत में चार अथवा पाँच नए शब्दों के अर्थ बताने में सक्षम होगें जैसे - घोर , घबराई आदि	जिससे शब्दकोश का विकास होगा		
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	पाठ के कुछ प्रश्न तथा नए शब्दों के अर्थ पूछकर, श्रुतलेख लेकर पढ़ाई गए पाठ का मूल्यांकन किया जाएगा		
	नैतिक मूल्य	अति का भला न बोलना अति की भली न चूप अति का भला न बरसना अति की भली न धूप सूझबूझ से परिस्थिति का समाधान करना चाहिए ।	

पाठ -8	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 8 बंदर-बाट	श्रवण /वाचन कौशल का विकास	सारांश ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास करना ।जैसे - पाठ से संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे पाना । पाठ को सुनने के बाद अपने शब्दों में दो से चार वाक्यों में मौखिक सारांश व्यक्त कर पाना।	स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों आड़ी - तिरछी रेखाओं (कीरम -काँटे), अक्षर आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व-वर्तनी का उपयोग और स्व-नियंत्रण लेखन (कनवेंशनल राइटिंग) करते हैं ।
	पठन कौशल का विकास	भाषा एवं उच्चारण की शुद्धता ,धाराप्रवाह ,उचित अंत ,भाव भंगिमा ,स्वर स्पष्टता का विकास करना । जैसे - रोले प्ले द्वारा उपर्युक्त लिखित सभी बिंदुओं का विकास करना ।बच्चे पाठ में आये कोई २५ -३० नये शब्द पढ़ सकेंगें	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र प्रश्नों का उत्तर १५ से २० अपने शब्दों में लिख पायेगें।	
	शब्द विकास कौशल	चार अथवा पांच नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना ।	

		जैसे -ऊ और उ की मात्रा वाले शब्दों से जुड़ी मात्राओं की पुनरावृत्ति की जाएगी और श्रुतलेख के लिए इन मात्राओं वाले शब्दों की तैयारी करवाई जाएगी ।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	पाँच ई की मात्रा वाले शब्दों की श्रुतलेख द्वारा शुद्ध वर्तनी का मूल्यांकन किया जाएगा ।शब्द सूची का निर्माण करते हुए उचित शब्दों का चयन करवाते हुए कहानी का सरल रूप रिक्त स्थानों द्वारा पूर्ण करवाते हुए पाठ संबंधित अधिग्रहण क्षमता का मूल्यांकन किया जाए ।	
	नैतिक मूल्य	बराबर का हक़ होना - बच्चे कैसे और कब बराबरी का हक़ महसूस करते हैं इस पर विभिन्न रोमांचक घटनाओं के द्वारा शिक्षिका उदाहरणों के माध्यम से कक्षा के समक्ष विचार व्यक्त कर नैतिकता का भाव उजागर करेंगी ।जैसे - वोट देना ,टिफ़िन बाँटना ,कार्य बाँटना ,विद्यार्थियों को दूसरे के झगड़ो को सुलझाने के योग्य बनाना आदि ।	

पाठ -9	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 9 -कब आऊँ	श्रवण /वाचन कौशल का विकास	अध्यापक द्वारा सुनाई गई कहानी के आधार पर छात्र पाठ के बारे में संक्षेप में बताने और पाठ का कुछ अनुच्छेद पढ़ने में सक्षम होंगे । इससे उनमें श्रवण और वाचन कौशल का विकास होगा। पाठ से छात्र दो-तीन अनुच्छेद को सही-सही पढ़ने में तथा पाठ को सुनने के बाद अपने शब्दों में दो से चार वाक्यों में मौखिक सारांश व्यक्त कर पाने में सक्षम होंगे।	अलग अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अख़बार, बाल पत्रिका, जैसे पूर्ण विराम, अल्प विराम प्रश्नवाचक चिन्ह का सचेत इस्तेमाल करते हैं ।
	पठन कौशल का विकास	छात्र कहानी के बारे में कम से कम पाँच वाक्य(२५ -३० शब्दों वाले) पढ़ने में सक्षम होंगे।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र प्रश्नों का उत्तर १५ से २० अपने शब्दों में लिख पायेगें।	
	शब्द विकास कौशल	छात्र पाठ पढ़ने के उपरांत चार -पांच विशेषण शब्द और मुहावरे आदि को पहचान पाने व इनका अर्थ बताने में सक्षम होंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	पाठ के अंत में दिए गए 'कहानी से' के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन किया जायेगा।	

	नैतिक मूल्य	अध्यापक द्वारा जीवन में मिठास लाने और जलन की भावना से दूर रहने में भलाई है आदि नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।	

पाठ -10	विषय	शिक्षण के लक्ष्य	
पाठ 10-क्योंजिमल और कैसे - कैसलिया	श्रवण -वाचन कौशल का विकास	दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा--- पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, पाठ से संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे पाना । पाठ को सुनने के बाद अपने शब्दों में दो से चार वाक्यों में मौखिक सारांश व्यक्त कर पाना।	सुनी हुई रचनाओं की विषय वस्तु घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, राय बताते हैं/अपने तरिके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं ।
	पठन कौशल का विकास	विद्यार्थियों को पठन कौशल का विकास के अंतर्गत पाठ मे आये विराम चिह्नों से परिचित कराना।छात्र कहानी के बारे में कम से कम पाँच वाक्य(२५ -३० शब्दों वाले) पढ़ने में सक्षम होंगे	

	लेखन कौशल का विकास	छात्र प्रश्नों का उत्तर १५ से २० अपने शब्दों में लिख पायेगें।	
	शब्द विकास कौशल	चार पाँच नवीन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ बता पाने में सक्षम होंगें ।	
	मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	इसका उद्देश्य छात्रों को निर्धारित शिक्षण लक्ष्यों के आकलन पर उनके काम की तुलना करने में मदद करना है ताकि वे महत्वपूर्ण शिक्षण लक्ष्यों के अपेक्षा अपनी स्वयं की वृद्धि के बारे में अधिक जागरूक हो जाएं और सामग्री के साथ अपनी सफलता बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल विकसित कर सकें।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |जीवन में क्यों और कैसे जैसे शब्दों के बीच नहीं फँसना चाहिए । लोगों से सोच समझ कर बात करनी चाहिए ।	